CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

मिल्मा अध्यक्ष ने पेरिस में वर्ल्ड डेयरी समिट में सतत प्रथाओं के लिए किया आग्रह

मिल्मा के अध्यक्ष और नेशनल कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन ऑफ इंडिया (NCDFI) के निदेशक, के. एस. मणि ने 15 से 18 अक्टूबर तक पेरिस में आयोजित वर्ल्ड डेयरी समिट में भारतीय डेयरी किसानों का प्रतिनिधित्व किया। अपने संबोधन में, श्री मणि ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने में सहकारी मॉडल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सहकारी मॉडल ने किसानों को सशक्त बनाने और उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन (IDF) द्वारा आयोजित इस समिट में, श्री मणि ने डेयरी उद्योग के समक्ष वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए स्थायी और स्मार्ट प्रथाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन चुनौतियों को अवसरों में बदलना डेयरी उद्योग के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। नवाचारपूर्ण समाधान का उपयोग करके किसान न केवल दक्षता में सुधार कर सकते हैं बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान दे सकते हैं।

श्री मणि की भागीदारी ने डेयरी क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उनके विचार अन्य देशों को सहकारी मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित करने का उद्देश्य रखते हैं, जो कि किसान कल्याण और आर्थिक विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। इस प्रकार, उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की सतत डेयरी प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

एनडीडीबी की पचासवीं वर्षगांठ पर अमित शाह ने "श्वेत क्रांति 20" की आवश्यकता पर दिया जोर

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आनंद में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) की पचासवीं वर्षगांठ समारोह के दौरान "श्वेत क्रांति 2.0" की आवश्यकता को रेखांकित किया। यह आयोजन अमूल डेयरी के संस्थापक त्रिभुवनदास पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में भी मनाया गया। शाह ने 1970 में शुरू किए गए ऑपरेशन फ्लड की सफलता पर प्रकाश डाला, जिसने भारत को 231 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन के साथ, अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बना दिया है।

भारत के दुग्ध क्षेत्र की 6% की प्रभावशाली वृद्धि दर का उल्लेख करते हुए, शाह ने इस गति को बनाए रखने का विश्वास जताया। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि दूध उत्पादन में शामिल लगभग 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार सहकारी क्षेत्र से बाहर हैं और उन्हें शोषण का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में, केवल 1.5 करोड़ परिवार सहकारी ढांचे में भाग लेते हैं, जिससे अधिकांश परिवार अपने दूध का उचित मूल्य पाने से वंचित हैं।

"श्वेत क्रांति 2.0" के लिए शाह का दृष्टिकोण सभी 8 करोड़ दुग्ध उत्पादक परिवारों को सहकारी क्षेत्र में शामिल करने का है, जिससे उन्हें उनके प्रयासों के लिए समान और उचित मुआवजा मिल सके। उन्होंने एनडीडीबी से इस दिशा में सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया, जिससे सहकारी मॉडल के माध्यम से भारत के दुग्ध किसानों की आजीविका को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

पंजाब का डेयरी सेक्टर: समृद्धि की ओर मार्ग

पंजाब के डेयरी क्षेत्र में किसानों को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका को बेहतर बनाने के लिए परिवर्तनकारी पहलें की जा रही हैं। लुधियाना, फिरोजपुर और जालंधर में सुविधाओं में आधुनिक तकनीकों के उपयोग से डेयरी प्रसंस्करण और पैकेजिंग का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य दूध और डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता को बढ़ाना है, ताकि पंजाब डेयरी उत्पादन में अग्रणी बना रहे।

किसान इस परिवर्तन के केंद्र में हैं, जिन्हें मुफ्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों से नवीनतम डेयरी प्रबंधन तकनीकों का ज्ञान मिल रहा है। इस ज्ञान से किसानों को बाजार की मांगों के अनुरूप काम करने का आत्मविश्वास मिलता है, जिससे उनकी आय क्षमता में वृद्धि होती है और डेयरी क्षेत्र की समग्र प्रगति में योगदान होता है।

जैसे-जैसे डेयरी उद्योग का विकास हो रहा है, सरकार द्वारा किसानों को प्रशिक्षण और आधुनिकीकरण के माध्यम से समर्थन देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जो एक स्थायी तंत्र का निर्माण कर रहा है। ये पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही परंपरा और नवाचार का समृद्ध संगम भी बुन रही हैं, जिससे पंजाब के डेयरी किसानों के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित हो सके।

स्टेलैप्स ने स्थायी डेयरी समाधान के लिए सीरीज़ C फंडिंग में $26 मिलियन जुटाए

डेयरी-टेक में अग्रणी कंपनी स्टेलैप्स टेक्नोलॉजीज ने सीरीज़ C फंडिंग राउंड में $26 मिलियन की राशि जुटाई है, जिसमें इक्विटी और कर्ज फंडिंग शामिल है। इस फंडिंग राउंड में ब्लूम वेंचर्स, ओम्निवोर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, IDH फार्मफिट फंड, 500 स्टार्टअप्स और ब्लू अश्व कैपिटल जैसे प्रमुख निवेशकों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन से ऋण फंडिंग भी प्राप्त की गई, जो स्टेलैप्स के मिशन में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

जुटाए गए इस फंड का उद्देश्य स्टेलैप्स के मूमार्क व्यवसाय को बढ़ावा देना है। यह पहल उच्च गुणवत्ता वाले, स्थायी और ट्रेस करने योग्य डेयरी उत्पादों के अनुबंध निर्माण और निजी-लेबल उत्पादों पर केंद्रित है। स्टेलैप्स के सीईओ रंजीत मुकुंदन ने इस समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि यह पूंजी मूमार्क को भारत भर में स्थायी रूप से मूल्य-वर्धित डेयरी उत्पादों का विस्तार करने में सक्षम बनाएगी। कंपनी आने वाले वर्षों में अपने निर्यात क्षेत्र को भी मजबूत करने की योजना बना रही है।

आईआईटी-मद्रास में स्थापित, स्टेलैप्स इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) तकनीक का उपयोग करके डेयरी क्षेत्र में नवाचार लाने का कार्य करता है। अपने लो-कैपेक्स, तकनीक-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से स्टेलैप्स ने डेयरी आपूर्ति श्रृंखलाओं में गुणवत्ता और स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए खुद को एक अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित किया है। इस फंडिंग के साथ, कंपनी डेयरी उद्योग में उल्लेखनीय प्रगति करने और किसानों की आजीविका में सुधार और उपभोक्ताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

आशा महिला मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन ने पेरिस में डेयरी इनोवेशन अवार्ड 2024 जीता

उदयपुर स्थित आशा महिला मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन ने 24 अक्टूबर को पेरिस में अंतरराष्ट्रीय डेयरी फेडरेशन (IDF) वर्ल्ड डेयरी समिट 2024 में प्रतिष्ठित डेयरी इनोवेशन अवार्ड जीतकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह पुरस्कार संगठन की सतत डेयरी प्रोसेसिंग में प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, जो 40,000 से अधिक महिला दुग्ध उत्पादकों को सशक्त बनाते हुए भारत की नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु लक्ष्यों में योगदान दे रहा है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के अध्यक्ष, डॉ. मीनेश शाह ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, "एक महिला-नेतृत्व वाले संगठन को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतते देखना हर्षजनक है।" उन्होंने यह भी कहा कि यह जीत न केवल भारत की वैश्विक डेयरी नेता बनने की महत्वाकांक्षा को समर्थन देती है, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है। पिछले साल के विजेता श्रीजा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन की उपलब्धि के बाद, यह मान्यता दर्शाती है कि महिला-नेतृत्व वाले उद्यम डेयरी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं।

आशा महिला MPO का अभिनव प्रोसेसिंग तरीका एक विशेष थर्मोडायनामिक चिलर का उपयोग करता है, जो प्रति घंटे 250 लीटर दूध को ठंडा करता है, तापांतरण को अधिकतम करते हुए ऊर्जा उपयोग को न्यूनतम करता है। यह तकनीक न केवल उच्च दूध गुणवत्ता को बनाए रखती है, बल्कि ठंडा करने की प्रक्रिया से प्राप्त गर्म पानी का उपयोग सफाई के लिए करके स्वच्छता और सुरक्षा मानकों का पालन भी करती है। छत पर लगे सोलर पैनलों से संचालित यह तरीका, आशा महिला की सतत प्रथाओं और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आती है। अध्यक्ष नरसा कुमारी ने महिला दुग्ध उत्पादकों के लिए सशक्तिकरण और आर्थिक स्वतंत्रता की प्रेरणादायक यात्रा के बारे में अपने विचार साझा किए।

बंगाल की सुंदरिनी मिल्क कोऑपरेटिव ने अंतर्राष्ट्रीय डेयरी इनोवेशन अवार्ड जीता

सुंदरबन स्थित सुंदरिनी मिल्क कोऑपरेटिव ने पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डेयरी फेडरेशन (IDF) कार्यक्रम में प्रतिष्ठित डेयरी इनोवेशन अवार्ड 2024 जीतकर वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाई है। यह पुरस्कार, जो सुंदरिनी और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के सहयोग में प्रदान किया गया, 153 अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियों में से नवीन और सतत खेती की प्रथाओं को मान्यता देता है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए कहा, "हमारी दूध सहकारी संस्था सुंदरिनी (सुंदरबन कोऑपरेटिव मिल्क यूनियन और पशुधन उत्पादक संघ) और NDDB ने मिलकर प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय डेयरी फेडरेशन से एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया है। यह पुरस्कार हमें हमारे नवीन और टिकाऊ खेती के तरीकों के लिए दिया गया।"

डेयरी इनोवेशन अवार्ड डेयरी फार्मिंग में टिकाऊ प्रथाओं के महत्व को प्रकट करता है, जो पर्यावरण संरक्षण और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के वैश्विक प्रयासों के साथ मेल खाता है। सुंदरिनी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, उसके सदस्य अपने समुदाय को ऊपर उठाने और भारत की डेयरी उद्योग और ग्रामीण सशक्तिकरण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पशु संसाधन विकास विभाग के संरक्षण में संचालित सुंदरिनी में दक्षिण 24 परगना जिले की लगभग 4,500 महिला किसान शामिल हैं। यह सहकारी संस्था प्रतिदिन 2,000 लीटर दूध का उत्पादन करती है और प्रसंस्कृत दूध उत्पादों का उत्पादन 250 किलोग्राम प्रतिदिन तक पहुँचता है। यह मान्यता न केवल टिकाऊ डेयरी प्रथाओं के प्रति सहकारी संस्था की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, बल्कि कृषि और पशुपालन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करती है।

गुजरात की दुग्ध सहकारी समितियां अरब डॉलर क्लब में शामिल

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMMF), जो प्रसिद्ध डेयरी ब्रांड अमूल का विपणन करता है, ने 2008 में ₹5,255 करोड़ के टर्नओवर के साथ भारत की पहली अरब डॉलर की दुग्ध सहकारी समिति बनकर इतिहास रचा। 15 साल बाद, व्हाइट रेवोल्यूशन का जनक गुजरात अब पांच अरब डॉलर की दुग्ध सहकारी समितियों का गढ़ बन गया है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में GCMMF ने ₹59,545 करोड़ (लगभग $7 बिलियन) का शानदार टर्नओवर हासिल कर भारत के सबसे बड़े खाद्य उत्पाद विपणन संगठन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया। इसके अलावा, इसके तीन सदस्य संघ—पालनपुर की बनास डेयरी, आनंद की अमूल डेयरी और हिम्मतनगर की साबर डेयरी—ने भी अरब डॉलर का मील का पत्थर पार कर लिया है। बनास डेयरी का टर्नओवर ₹19,003 करोड़ ($2.3 बिलियन) रहा, जबकि अमूल डेयरी ने ₹12,911 करोड़ ($1.5 बिलियन) का आंकड़ा छू लिया। साबर डेयरी का टर्नओवर ₹8,939 करोड़ ($1.1 बिलियन) रहा।

गांधीनगर स्थित अमूलफेड डेयरी, जो GCMMF का एक यूनिट है, ने भी ₹12,969 करोड़ ($1.5 बिलियन) का टर्नओवर रिपोर्ट किया। वहीं, मेहसाणा की दुग्धसागर डेयरी, जो सागर ब्रांड की मालिक है, इस मील के पत्थर के करीब है, जिसका टर्नओवर ₹7,494 करोड़ ($0.9 बिलियन) रहा।

ये उल्लेखनीय आंकड़े दुग्ध सहकारी समितियों की दूध प्रसंस्करण क्षमताओं का विस्तार और मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। GCMMF के प्रबंध निदेशक जयन मेहता इस वृद्धि का श्रेय सदस्य संघों में रणनीतिक विस्तार और विविधीकरण के प्रयासों को देते हैं। अमूल ब्रांड के समूह का टर्नओवर 2023-24 में ₹80,000 करोड़ ($10 बिलियन) तक बढ़ा, जिसमें गुजरात के 18,600 गांवों के 36 लाख किसानों का नेटवर्क शामिल है, जिससे GCMMF दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली दुग्ध सहकारी बन गई है।

सीईएएसआई-गतिविधियाँ

डेयरी किसानों को सशक्त बनाने के लिये : CEASI ने सियाना और गजरोला में PMKVY RPL कार्यक्रम लागू किया

भारत के कृषि कौशल परिषद (ASCI) ने अनंदा डेयरी के साथ उद्योग भागीदार के रूप में और भारत में डेयरी कौशल के केंद्र (CEDSI) के तकनीकी भागीदार के रूप में सहयोग करते हुए PMKVY 4.0 को लागू किया है, जिसका उद्देश्य किसानों और डेयरी हितधारकों के कौशल को बढ़ाना है। CEASI सक्रिय रूप से सियाना और गजरोला में डेयरी किसान उद्यमियों के लिए PMKVY RPL कार्यक्रम को लागू कर रहा है। यह पहल स्थानीय डेयरी किसानों को आवश्यक प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर प्रदान करने के लिए है, जिससे वे सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को अपनाने और डेयरी क्षेत्र में उत्पादकता में सुधार कर सकें, अंततः क्षेत्र में सतत कृषि विकास में योगदान दे सकें।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया